पावन स्मृति
2020

21 अक्टूबर 2020

"इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाये रखना।"

शहीद पुलिस परिजनों से मिलते हुए
मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र.

पुलिस स्मृति दिवस

2020

21 अक्टूबर, 2020

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ–226 027
12 अक्टूबर, 2020

संदेश

'पुलिस स्मृति दिवस' 21 अक्टूबर, 2020 के गौरवमयी अवसर पर मैं प्रदेश के उन सभी वीर पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज, देश एवं प्रदेश की सुरक्षा में अपने प्राणों का बलिदान किया है। ऐसे वीर जवानों को शत्–शत् नमन् ।

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ी जनसंख्या वाला राज्य होने के साथ–साथ भौगोलिक व आर्थिक कारणों से भी कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये एक चुनौतीपूर्ण प्रदेश है। यहां पुलिस की चुनौतियां बहुआयामी हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने निरन्तर सजगता व सतर्कता बरतते हुए विगत वर्ष में इन चुनौतियों का मुकाबला किया है। विगत दिनों वैश्विक महामारी कोविड–19 की विभीषिका के दौरान पुलिस कर्मियों के सामान्य पुलिस कार्य से हटकर आमजनमानस की निःस्वार्थ सेवा से पुलिस का एक सकारात्मक पक्ष सामने आया है।

विगत 01 वर्ष में आयी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करते हुए जिन पुलिस कर्मियों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी है, मैं उन सभी वीर पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली पावन स्मृति पुस्तिका–2020 के सफल प्रकाशन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
विधान सभा मार्ग, लखनऊ

दिनांक : 13 अक्टूबर, 2020

संदेश

पुलिस स्मृति दिवस के पुनीत अवसर पर मैं समाज व राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपना जीवन बलिदान करने वाले सभी शहीद पुलिस जन के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। इन वीरों की यशोगाथा युगों–युगों तक स्मरणीय रहेगी।

समाज की सुरक्षा का दायित्व पुलिस पर होता है, जिसका निर्वहन पुलिसजन विषम एवं कठिन परिस्थितियों में अपनी व अपने परिवार की सुख सुविधा को विस्मृत कर करते हैं।

महिलाओं एवं कमजोर वर्ग की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द स्थापित करने, अपराधों की रोकथाम एवं कानून–व्यवस्था को और सुदृढ़ करते हुए माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही करने में उत्तर प्रदेश पुलिस तत्पर एवं अग्रसर है।

वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान अपराध नियंत्रण तथा कानून–व्यवस्था बनाये रखने के साथ–साथ प्रदेश में आने वाले लोगों की सहायता तथा लॉकडाउन का पालन कराने में उत्तर प्रदेश पुलिस ने पूर्ण निष्ठा के साथ कर्तव्यों का निर्वहन किया है।

विगत वर्ष कर्तव्यपालन में प्रदेश पुलिस के 09 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। इन वीर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान से प्रदेश पुलिस का मान बढ़ा है। समस्त वीर शहीदों के परिजनों को मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश शासन सदैव उनके साथ है।

कर्तव्यपरायण वीर शहीद पुलिसजन को मैं कोटिशः पुनः नमन करते हुए अपनी एवं प्रदेश की जनता की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

(योगी आदित्यनाथ)

एच0सी0 अवस्थी आई.पी.एस.
पुलिस महानिदेशक एवं
राज्य पुलिस प्रमुख, उत्तर प्रदेश

पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०
शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार,
लखनऊ– 226002
फोन नं0 0522–2724003/2390240,
फैक्स नं0 0522–2724009
सीयूजी नं0 9454400101,105
ई–मेल : police.up@nic.in
वेबसाइट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : अक्टूबर 17, 2020

श्रद्धांजलि

भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित क्षेत्र में 21 अक्टूबर 1959 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दस जवान नियमित गश्त के लिये निकले थे। उसी समय घात लगाकर स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों ने अचानक उन पर छलपूर्वक हमला कर दिया। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के बहादुर जवानों ने अप्रतिम शौर्य एवं कुशलता का प्रदर्शन करते हुये शत्रुओं का मुकाबला कर अपने प्राणों की आहुति दी। इन वीर शहीद पुलिसजनों की याद में प्रति वर्ष पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।

इस अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विगत एक वर्ष में कर्तव्यपथ पर अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीर पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। 01 सितम्बर 2019 से 31 अगस्त 2020 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत वर्ष में कर्तव्य की वेदी पर 264 पुलिसजनों ने अपने प्राणों को न्यौछावर किया। इनमें उत्तर प्रदेश के **09 पुलिसजन क्रमशः पुलिस उपाधीक्षक श्री देवेन्द्र मिश्र, उ0नि0 श्री अनूप कुमार सिंह, उ0नि0 श्री महेश कुमार यादव, उ0नि0 श्री नेबू लाल, मु0आ0 श्री जितेन्द्र कुमार मौर्य, आरक्षी श्री जितेन्द्र पाल, आरक्षी श्री सुलतान सिंह, आरक्षी श्री राहुल कुमार एवं आरक्षी श्री बबलू कुमार** सम्मिलित है। कर्तव्यपालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान करने वाले इन वीरों के पराक्रम से सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश पुलिस बल गौरवान्वित है एवं इनके इस त्याग के लिये सदैव इनका ऋणी रहेगा।

देश के इन 264 शहीद पुलिसजनों का बलिदान राष्ट्र के प्रति सच्ची भक्ति के साथ–साथ अपने कर्तव्य के प्रति पूर्ण समर्पण का अनुपम उदाहरण है, जो प्रत्येक दशा में अपने कर्तव्य पथ पर निरन्तर आगे बढ़ने के लिये प्रेरणा देता है।

मैं इस पुनीत अवसर पर अपने तथा प्रदेश पुलिस बल की ओर से इन सभी वीर पुलिसजनों को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। साथ ही उनके परिवार को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश पुलिस सदैव उनके साथ है।

(एच0सी0 अवस्थी)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश।

पुलिस स्मृति दिवस–2020

कार्यक्रम

प्रातः 8:00 बजे

परेड फाल इन

प्रातः 8:20 बजे

पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. का आगमन

प्रातः 8:25 बजे

मुख्य अतिथि का आगमन व अभिवादन

प्रातः 8:31 बजे

स्मृति परेड

प्रातः 8:55 बजे

पुष्प चक्र (रीथ) अर्पण

प्रातः 9:07 बजे

शोक शस्त्र एवं मौन (2 मिनट)

प्रातः 9:09 बजे

मुख्य अतिथि व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.
की मंच पर वापसी

प्रातः 9:10 बजे

मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन

मुख्य अतिथि के सम्बोधन के उपरान्त

परेड समाप्ति

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए 21 अक्टूबर सन् 1959 को शहीद हुए वीर जवानों की सूची

1.	सी.टी.	ईमान सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
2.	सी.टी.	पूरन सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
3.	सी.टी.	नुरबू लामा	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
4.	सी.टी.	बेगराज	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
5.	सी.टी.	माखनलाल	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
6.	सी.टी.	शिवनाथ	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
7.	सी.टी.	मनजीत सुबा	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
8.	सी.टी	धरम सिंह	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
9.	सी.टी.	श्रवण दास	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
10.	सी.टी.	शेरिंग नुरबू	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.

पुलिस स्मृति दिवस–2020

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिस जन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिस जनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यो को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियॉ देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिस जन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से इकसठ वर्ष पुरानी है ।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊँची बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रो के बीच जहॉ कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहॉ सदैव की भॉति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनियों से भिड़ गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी ।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य श्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों तक का उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिस जन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा।

दिनांक 01 सितम्बर 2019 से 31 अगस्त 2020 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 264 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की बेदी पर अपनी जीवनाहुतियॉ दी गई है, जिसमें आंध्रप्रदेश–03, अरूणाचल प्रदेश–02, बिहार–09, छत्तीसगढ़–25, हरियाणा–02, झारखण्ड–08, कर्नाटक–17, मध्य प्रदेश–07, महाराष्ट्र–05, मणिपुर–02, पंजाब– 02, राजस्थान–02,

तमिलनाडु–03, त्रिपुरा–02, उत्तर प्रदेश–09, उत्तराखण्ड–06, पश्चिम बंगाल–11, अण्डमान निकोबार द्वीप समूह–02, दिल्ली–11, जम्मू कश्मीर–12, आसाम राइफल–03, बीएसएफ–25, सीआईएसएफ–07, सीआरपीएफ–29, एफएस,सीडी,एचजी–04 आईटीबीपी–18, एमएचए–09, आरपीएफ–14, एसएसबी–15 जवान सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

◆◆◆

दिनांक 01.09.2019 से 31.08.2020 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर शहीद हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

स्व0 श्री देवेन्द्र मिश्रा
पुलिस उपाधीक्षक
कानपुर नगर

स्व0 श्री अनूप कुमार सिंह
उप निरीक्षक, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

स्व0 श्री महेश कुमार यादव
उप निरीक्षक, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

स्व0 श्री नेबूलाल
उप निरीक्षक, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

02/03-07-2020 ग्राम बिकरू
जनपद कानपुर नगर

स्व0 श्री जितेन्द्र पाल
आरक्षी, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

श्री सुल्तान सिंह
आरक्षी, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

स्व0 श्री राहुल कुमार
आरक्षी, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

स्व0 श्री बबलू कुमार
आरक्षी, नागरिक पुलिस
कानपुर नगर

दिनांक 01.09.2019 से 31.08.2020 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

1. (1) स्व0 देवेन्द्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक, जनपद–कानपुर नगर
   (2) स्व0 अनूप कुमार सिंह, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस–152412690 जनपद–कानपुर नगर
   (3) स्व0 महेश कुमार यादव, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस–942730052 जनपद–कानपुर नगर
   (4) स्व0 नेबूलाल, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस–902690590 जनपद–कानपुर नगर
   (5) स्व0 जितेन्द्र पाल, आरक्षी नागरिक पुलिस–182412093 जनपद–कानपुर नगर
   (6) स्व0 सुल्तान सिंह, आरक्षी नागरिक पुलिस–062293600 जनपद–कानपुर नगर
   (7) स्व0 राहुल कुमार, आरक्षी नागरिक पुलिस–162291764 जनपद–कानपुर नगर
   (8) स्व0 बबलू कुमार, आरक्षी नागरिक पुलिस–182417001 जनपद–कानपुर नगर

दिनांक 2/3.07.2020 की रात्रि में क्षेत्राधिकारी बिल्हौर श्री देवेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में थानाध्यक्ष शिवराजपुर श्री महेश कुमार यादव, थानाध्यक्ष चौबेपुर श्री विनय तिवारी, थानाध्यक्ष बिठूर श्री कौशलेन्द्र प्रताप सिंह व अन्य पुलिसजनों की संयुक्त टीम थाना चौबेपुर में पंजीकृत मु0अ0सं0–191/2020 धारा 147/148/504/323/364/342/307 भा0द0वि0 व 7 सीएलए एक्ट बनाम विकास दूबे पुत्र राम कुमार, निवासी–बिकरू, पोस्ट–दिलीप नगर, थाना चौबेपुर, जनपद कानपुर नगर, 2–सुनील कुमार पुत्र अशोक कुमार, 3–बालगोविन्द पुत्र मेवालाल, 4–शिवम दुबे पुत्र बालगोविन्द, 5–अमर दुबे पुत्र अज्ञात के विरूद्ध कार्यवाही हेतु गांव बिकरू गयी थी। इन अपराधियों ने अपने अन्य साथियों के साथ पुलिस टीम को घेरकर अपने घरों की छतों से जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी गयी। इस फायरिंग में श्री देवेन्द्र मिश्रा क्षेत्राधिकारी सहित 08 पुलिसजनों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। थानाध्यक्ष बिठूर श्री कौशलेन्द्र प्रताप सिंह सहित 06 पुलिसजन गम्भीर रूप से घायल हो गये। इन अपराधियों ने पुलिस के असलहे ए0के0–47 रायफल–1, इंसास रायफल–01, ग्लाक पिस्टल–01, 09 एमएम पिस्टल–02 भी लूट लिये। इस घटना में श्री देवेन्द्र मिश्र क्षेत्राधिकारी बिल्हौर, श्री महेश कुमार यादव उपनिरीक्षक थानाध्यक्ष–शिवराजपुर, श्री अनूप कुमार सिंह उप निरीक्षक चौकी इंचार्ज मन्धना थाना बिठूर, श्री नेबूलाल उप निरीक्षक थाना शिवराजपुर, श्री जितेन्द्र पाल आरक्षी ना0पु0 थाना बिठूर, श्री सुल्तान सिंह आरक्षी

ना0पु0 थाना चौबेपुर, श्री बबलू कुमार आरक्षी ना0पु0 थाना बिठूर एवं श्री राहुल कुमार आरक्षी ना0पु0 थाना बिठूर वीर गति को प्राप्त हो गये ।

इस प्रकार श्री देवेन्द्र मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक, श्री महेश कुमार यादव उपनिरीक्षक, श्री अनूप कुमार सिंह उप निरीक्षक, श्री नेबूलाल उप निरीक्षक, श्री जितेन्द्र पाल आरक्षी ना0पु0, श्री सुल्तान सिंह आरक्षी ना0पु0, श्री बबलू कुमार आरक्षी ना0पु0 एवं श्री राहुल कुमार आरक्षी ना0पु0 द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी गयी ।

2. स्व0 जितेन्द्र कुमार मौर्य, मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस–912920162, जनपद–अमेठी

दिनांक 01.10.2019 को चीता मोबाइल ड्यूटी में नियुक्त मुख्य आरक्षी जितेन्द्र कुमार मौर्य राजकीय कार्य हेतु थाना क्षेत्र में रवाना हुए थे। ग्राम खेरौना स्थित प्राथमिक पाठशाला के पास जैसे ही पहुंचे, वहां पर दो पुरूष व एक महिला अपने–अपने हाथों में बाका(धारदार हथियार) लिये हुये खड़े थे। इस सम्बन्ध में मुख्य आरक्षी ना0पु0 जितेन्द्र कुमार मौर्य व साथी आरक्षी राजबाबू द्वारा पूछने पर अचानक इन लोगो ने जानलेवा हमला कर दिया गया। इस हमले में आरक्षी के दाहिने कन्धे, भुजा, कोहनी तथा बाये हाथ के कन्धे, अंगूठे तथा गर्दन पर गम्भीर चोटें आई। मुख्य आरक्षी जितेन्द्र कुमार मौर्य के सिर पर व शरीर में बाके से जोरदार प्रहार के कारण गम्भीर चोटें आई, जिससे वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गये। दोनो घायलों को उपचार हेतु सी0एच0सी0 अमेठी लाया गया जहां चिकित्सक द्वारा आरक्षी रामबाबू को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। मुख्य आरक्षी जितेन्द्र कुमार मौर्य की गम्भीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय सुल्तानपुर रेफर कर दिया गया। जहां से चिकित्सकों द्वारा दिनांक 01.10.2019 को ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर किया गया। दिनांक 03.10.2019 को इलाज के दौरान समय 15.30 बजे इनकी मृत्यु हो गयी ।

इस प्रकार श्री जितेन्द्र कुमार मौर्य, मुख्य आरक्षी ना0पु0 द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी गयी ।

◆◆◆

Police Commemoration Day
October 21st, 2020

S.No.	Rank	Late S/Sri
	ANDHRA PRADESH	
1.	ARSI-1835	S S CHANDRA SEKHAR
2.	HC-2007	K LAKSHMAIAH
3.	PC-1992	S CHAND BASHA
	ARUNACHAL PRADESH	
4.	CONSTABLE	TAPOP YAJO
5.	CONSTABLE	AMOST REGON
	BIHAR	
6.	INSPECTOR	NAND KISHORE SINGH
7.	HAWALDAR	MD. SAKIM
8.	HAWALDAR	MALESHWAR RAM
9.	HAWALDAR	ARVIND KUMAR SINGH
10.	CT-450	ABHIRANJAN KUMAR RANA
11.	CT-1503	SANTOSH KUMAR
12.	CT-1773	PANKAJ KUMAR DAS
13.	CT-5930	SANJAY KUMAR
14.	DRIVER CONST-22	TARUN KUMAR
	CHHATTISGARH	
15.	PLATOON COMMANDER	GEETARAM RATHIYA
16.	SUB INSPECTOR	SHYAM KISHOR SHARMA
17.	ASI	NARAD RAM NISHAD
18.	ASI	KORSA NAGAIYA
19.	H.C. 10	UPENDRA KUMAR SAHU
20.	H.C. 130	DEVENDRA SINGH
21.	H.C. 463	MARKAM MASA
22.	Const.1153	SOMARU RAM POYAM
23.	Const. 1193	HEMANT DAS MANIKPURI
24.	Const. 1202	WANJAM NAGESH
25.	Const. 1222	KARTI KANNA
26.	Const. 1244	MARKAM HIDMA
27.	Const. 1268	PODIYAM LAKHMA
28.	Const. 1639	AMARDEEP KHALKHO
29.	Const. 3541	HEMANT KUMAR POYA
30.	Const. 418	SOYAM RAMESH
31.	Const. 549	LIBRU RAM BAGHEL
32.	Const. 695	JITENDRA BAKRE
33.	Asstt.Const. 267	KAILASH KUMAR NETAM
34.	Asstt.Const. 234	MARKAM BUCHHA
35.	Asstt.Const. 194	GANDHAM RAMESH
36.	Asstt.Const. 368	UIKA KAMLESH
37.	Asstt.Const. 204	UIKA DHURVA
38.	Asstt.Const. 804	PODIYAM MUTTA
39.	Asstt.Const. 541	RAMESH KUMAR KURSAM
	HARYANA	
40.	CONST-564/SPT	RAVINDER SINGH
41.	SPO-213/SPT	KAPTAN SINGH
	JHARKHAND	
42.	ASI	SUKRA URAON
43.	ASI	CHANDRAI SOREN
44.	CONSTABLE-1117	KHANJAN KUMAR MAHTO
45.	CONSTABLE-568	AKHILESH RAM

S.No.	Rank	Late S/Sri
46.	CONSTABLE-194	LAKHINDRA MUNDA
47.	HOMEGUARD-19	JAMUNA PRASAD
48.	HOMEGUARD-662	SAKINDRA SINGH
49.	HOMEGUARD-499	SHAMBHU PRASAD SAHU
	KARNATAKA	
50.	PSI	MANOHAR S GANACHARI
51.	ARSI	CHENNAKESHAVA B C
52.	ASI	C MALLESHAIAH
53.	ASI	CHANDRAHASA
54.	ASI	YALLAPPA RAMAPPA TALAWAR
55.	ASI	SRINIVASA M
56.	ASI	MANJUNATHA K
57.	CHC-8120	KUMAR K R
58.	CHC-7534	DHANANJAYA Y
59.	CHC-276	MARISWAMY
60.	CHC-170	VENKATE GOWDA B N
61.	CHC-204	KESHAVA
62.	AHC-18410	CHANNAGANGAIAH
63.	CPC-3655	RAMANAIK DUNDAPPA NAIK
64.	CPC-194	MOHAN T P
65.	CPC-955	KARIYAPPA S KARIGAR
66.	APC-3700	S N KOLI
	MADHYA PRADESH	
67.	SUB INSPECTOR	SHER SINGH DORIYA
68.	ASI	BASANT MIRASE
69.	ASI	MAYARAM KHARARI
70.	Const.477	JITENDRA SINGH GURJAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
71.	Const.571	DILEEP
72.	Const.851	SATEYNDRA SINGH YADAV
73.	Const.514	PRABAL PRATAP SINGH
	MAHARASHTRA	
74.	PSI	DHANAJI TANAJI HONMANE
75.	POLICE NAIK	RITESH DEVRAOJI BHOPRE
76.	POLICE NAIK	SUNIL MAHADEO MESHRAM
77.	POLICE NAIK DRIVER-243	SHAHAJI BHAURAO HAJARE
78.	PC-5201	KISHOR LAXMAN ATRAM
	MANIPUR	
79.	HAV.-55978	ESHOU HENI
80.	RFN-6070131	ASHEM KIRANJIT
	PUNJAB	
81.	C-II-158	JAGMOHAN SINGH
82.	CT-1604	GURDEEP SINGH
	RAJASTHAN	
83.	HC-330	NAND SINGH
84.	HC-102	SHANKAR LAL YADAV
	TAMIL NADU	
85.	SSI	WILSON
86.	HC-1215	M SETTU
87.	GR. II PC-4708	P SUBRAMANIAN
	TRIPURA	
88.	SUBEDAR (GD)-97040003	AMOS KARTHAK
89.	SI	DURGA KUMAR HRANGKHAWL

S.No.	Rank	Late S/Sri
	UTTAR PRADESH	
90.	DY. SP	DEVENDRA MISHRA
91.	SI-152412690	ANOOP KUMAR SINGH
92.	SI-942730052	MAHESH KUMAR YADAV
93.	SI-902690590	NEBU LAL
94.	HC-912920162	JITENDRA KUMAR MAURYA
95.	CT-182412093	JITENDRA PAL
96.	CT-062293600	SULTAN SINGH
97.	CT-162291764	RAHUL KUMAR
98.	CT-182417001	BABLU KUMAR
	UTTARAKHAND	
99.	SI C.P.	MAYA BISHT
100.	SI C.P.	NARESH PAL SINGH
101.	CONST-715 C.P.	LALIT MOHAN
102.	CONST-62 C.P.	SANJAY KUMAR
103.	CONST-149 A.P.	KAILASH LAL
104.	CONST DRIVER	NANDAN SINGH
	WEST BENGAL	
105.	SI (UB)	SAFIQUL ISLAM
106.	ASI-13277	BIKASH CH ROY
107.	ASI (UB)-2774	DEBASISH SARKAR
108.	CONSTABLE-3703	GOURANGA BIASWAS
109.	CONSTABLE-2623	NARAYAN BANERJEE
110.	CONSTABLE-1795	ABDUL RASID MOLLAH
111.	CONSTABLE-2149	TAPAN KUMAR DAS
112.	CONSTABLE-958	SANJOY DAS
113.	CONSTABLE-1844	RAHUL KUMAR DAS
114.	CONSTABLE-557	MINSARUL HAQUE
115.	SOWER-79	NITYA GOPAL BISWAS

S.No.	Rank	Late S/Sri
	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	
116.	HC-1242	SHADRACK NATHAN
117.	PC-419 K	MOHAN RAO
	DELHI	
118.	ACP/TRAFFIC	SANKET KAUSHIK
119.	ASI (EXE) (SG)-1256/PCR	LAL MAN SINGH SHISHODIA
120.	ASI-675/N	RAGHUBIR SINGH
121.	ASI-577/N	ZAKIR HUSSAIN
122.	ASI-966/T	MAHABIR SINGH
123.	HC (EXE)-3297/SE	AMAR SINGH MEENA
124.	HC-1282/NE	RATTAN LAL
125.	HC (EXE)-3163/E	VIJAY PAL
126.	HC-608/PCR	WAZIR SINGH
127.	HC-948/OND	VIJAY SINGH
128.	CONST.-2009/OD	VIKASH
	JAMMU & KASHMIR	
129.	SI-ARP-996980	SAGEER AHMAD
130.	ASI-ARP-993551	BABU RAM
131.	HC-ARP-911471	ANOOP SINGH
132.	HC-EXK-972889	MOHD AMIN
133.	SGCT-EXK-981632	MANZOOR AHMAD DAR
134.	SGCT-ARP-996335	FAYAZ AHMAD
135.	CT-ARP-098904	ABDUL RASHID
136.	CT-ARP-182280	ISHFAQ AYOUB KHANDAY
137.	SPO-681/SPO	WAJAHAT ASADULLAH BHAT
138.	SPO-292-SPO/R	SHAHBAZ AHMAD
139.	SPO-1328/SPO	PASHID IQBAL
140.	SPO-746/SPO	MUZAFAR ALI DAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
	ASSAM RIFLES	
141.	HAVILDAR (GD)-G/412160A	PRANAY KALITA
142.	RIFLEMAN (GD)-G/5005839K	METHNA KONYAK
143.	RIFLEMAN (GD)-G/5009574H	RATAN SALAM
	BSF	
144.	SI/GD-853222428	PARITOSH MONDAL
145.	ASI/GD-873326962	JATINDER KUMAR
146.	HC/GD-894017218	JUNUL TOPNO
147.	HC/GD-902432224	VIJAY BHAN SINGH
148.	HC/GD-931065855	MUKESH CHAND
149.	HC/GD-910072027	PAWAN KUMAR
150.	HC/GD-982090066	UTTAM GARAI
151.	HC/GD-893650061	RAM SEWAK
152.	HC/GD-990099585	PATNANA JOGULU
153.	HC/GD-950046578	ABDUL RASHID
154.	HC/GD-900098974	S THIRUMOORTHY
155.	HC/DVR-900090060	BINOY ABRAHAM
156.	CT/GD-114500416	VINOD KUMAR
157.	CT/GD-041060096	ASHIS KUMAR GHOSH
158.	CT/GD-070028051	MUNNA PASWAN
159.	CT/GD-11872020	GANGA BARA
160.	CT/GD-021370269	L NISHIKANTA SINGHA
161.	CT/COOK-134502874	ARUN KUMAR
162.	CT/GD-098770133	JIAUL HAQUE
163.	CT/GD-130843597	RANA MANDAL
164.	CT/SWPR-134508601	POORAN SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
165.	CT(GD)-063992210	MOHD SAHID
166.	CT/GD-096668889	SAGAR MAL GHOSALYA
167.	CT/GD-110096784	SHIVANAND BADIGER
168.	MCT/GD-170705479	MULLA SANA ALAM
	CISF	
169.	HC/FIRE-961404592	ERANNA NAYAKA
170.	HC/DCPO-964400090	VEDPAL
171.	CT/DCPO-140702730	MAHENDRA KUMAR PASWAN
172.	CT/FIRE-160501050	SATISH PRASAD KUSHWAHA
173.	CT/GD-130810881	GUDDU KUMAR
174.	CT/GD-943470032	ALAKH NIRANJAN SINGH
175.	CT/GD-130611855	KULDEEP
	CRPF	
176.	DIG	SHAILENDRA
177.	ASI/GD	MAHENDRA YADAV
178.	HC/GD-971120121	AJEET SINGH
179.	HC/GD-031440955	SHIV LAL NETAM
180.	HC/GD-015202662	RAJEEV SHARMA
181.	HC/GD-001374779	KALE SUNIL
182.	HC/GD-031503039	DEEP CHAND VERMA
183.	HC/GD-015193539	KULDEEP ORAON
184.	HC/ARMR	VANAJI BORSE
185.	HC/GD	DHARAMDEV
186.	HC/RO	MANISH KUMAR SINGH
187.	CT/GD-115023564	KAMTA PRASAD
188.	CT/GD-115196112	RAMESH RANJAN
189.	CT/GD-095181725	VIKAS KUMAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
190.	CT/GD-135320847	PURNANAND
191.	CT/GD-145102816	KANAI MAJEE
192.	CT/GD-041639015	CHANDRAKANT BHAKRE
193.	CT/GD-145250539	PARMAR SATYAPAL SINH
194.	CT/GD-060112863	SANTOSH KUMAR MISHRA
195.	CT/GD-075022382	ASHWANI KUMAR YADAV
196.	CT/GD-145035132	CHANDRASEKAR C
197.	CT/GD-115176664	MUNNA YADAV
198.	CT/GD-150042712	SHYAMAL KUMAR DEY
199.	CT/DVR-015203926	KHURSHID KHAN
200.	CT/GD-145025092	SHARMA LAVKUSH SUDARSHAN
201.	CT/GD	ARJUN SINGH
202.	CT/WM	K NARSIMHA
203.	CT/DVR	NAVEEN KUMAR
204.	CT/BUG	BHPENDER SINGH

FS, CD & HG

S.No.	Rank	Late S/Sri
205.	LEADING FIREMAN-208	RATTAN CHAND
206.	SG FIREMAN-515	MOHD ASLAM
207.	FIREMAN-1807	VIMAL RAINA
208.	FIRE OPERATOR	AMIT KUMAR

ITBP

S.No.	Rank	Late S/Sri
209.	2IC	DIGVIJAY PAL SINGH
210.	ASI/GD-880184208	RAJENDER KUMAR
211.	HC/CM-120250663	ARVIND KUMAR
212.	HC/GD-030030076	NURBO WANGDUS
213.	HC/TELE-077015427	SHER SINGH
214.	HC/GD-020131779	LALIT KUMAR RAWAT
215.	HC/GD-017042564	BIJAY NARZARY
216.	HC/MED-010250223	PRASHANT KUMAR LENKA
217.	HC/GD-017040935	OKRAM MANGLEM SINGH
218.	HC/GD-010190916	LAL SAHEB
219.	HC/GD-040231314	RINKU
220.	CT/GD-130311013	RAHUL SONOWAL
221.	CT/GD-080170546	MUNNA KUMAR SINGH
222.	CT/GD-1100110263	DEVCHARAN SINGH DHAMI
223.	CT/GD-130401404	SHAIK HAJI HUSSAN
224.	CT/GD-130493425	PRABIN SARANIA
225.	CT/GD-120120145	MUKESH KUMAR
226.	CT/GD-120280945	RAM SINGH

MHA

S.No.	Rank	Late S/Sri
227.	AREA ORGANISER	K K MITRA
228.	AREA ORGANISER	AMRITA MITRA
229.	ACIO-I	LAKSHMAN SINGH
230.	ACIO-I	JOGENDER KUMAR SAINI
231.	ACIO-I	P R RAVICHANDRAN
232.	AFO/MEDIC	RESHAM PAL
233.	SA/EXE	THANGSEMLAL MANASSEH
234.	SA/MT	ANKIT SHARMA
235.	MTS (GEN)	VIRENDER

RPF

S.No.	Rank	Late S/Sri
236.	SI	MANISH KUMAR
237.	ASI	UDAIRAJ SINGH
238.	ASI	HARI CHAND GIRI
239.	HC	M M SHARIFF
240.	HC	J UPENDER

S.No.	Rank	Late S/Sri
241.	HC	PAWAN KUMAR
242.	L/HC	SANGEETA TANJE
243.	CONSTABLE	DHARMENDRA KUMAR MEENA
244.	CONSTABLE	RAVINDRA PRATAP SINGH
245.	CONSTABLE	S RAHAMATH BASHA
246.	CONSTABLE	RAM SINGH
247.	CONSTABLE	RAMVEER SINGH GURJAR
248.	CONSTABLE	SANNY KUMAR
249.	CONSTABLE	PARSHURAM KUMAR
	SSB	
250.	ASI (GD)	LAL CHAND
251.	ASI (GD)	SATYA LAL

S.No.	Rank	Late S/Sri
252.	ASI (GD)	CHHORTEM
253.	ASI (GD)	LALIT CH BARMAN
254.	HC (GD)	LALIT KUMAR
255.	HC (WKSP)	TH IBOTHE SINGH
256.	HC (GD)	BALDEV SINGH
257.	HC (GD)	KAPIL DEV
258.	CT (GD)	G KING GUIULUNG
259.	CT (GD)	DEEN DAYAL BHUARYA
260.	CT (GD)	ROOPESH KUMAR
261.	CT (GD)	TAPAN LAHON
262.	CT (GD)	ABHIJEET SINGH
263.	CT (GD)	MANIKANDAN P
264.	CT (SWP)	RAM UDAI DAS

◆◆◆

The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by

Sri. S.N. Singh

ADG (Rtd)

‘अन्तिम धुन’ – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया। वह उसका अपना ही पुत्र था।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का ‘साउथ’ में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी। कैप्टन ने एक ‘बिगुलर’ को चुना। कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा। कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी।

यह वही ‘अन्तिम धुन’ है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है।

The Last Post

Day is done
Gone the sun
From the lakes
From the hills

From the sky
All is well
Safely rest
God is nigh

Fading light
Dims the sight
And a star
Gems the sky
Gleaming bright
From afar
Drawing nigh
Falls the night

Thanks and praise
For our days
Neath the sun
Neath the stars
Neath the sky
As we go
This we know
God is nigh.

POLICE HEADQUARTERS
पुलिस मुख्यालय
पुलिस मुख्यालय
अमर
जवान

21 अक्टूबर 1959 स्मृतिका, उत्तरी लद्दाख सीमा

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।